Battle 0f Buxar, 1764

बक्सर का युद्ध, 22 अक्टूबर 1764

-सारिका सिंह,

असिस्टेंट प्रोफेसर,

इतिहास विभाग,

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

गाज़ीपुर।

बक्सर का युद्ध-

इंग्लैंड से आई ईस्ट इंडिया कंपनी ने प्लासी की लड़ाई में बंगाल के नवाब को हराकर भारत में अपने राजनैतिक प्रभुत्व की शुरुआत की। नये नवाब मीर जाफर और कंपनी दोनों के संबंध अधिक समय तक नहीं चल पाए तब मीर जाफ़र के जमाता मीर कासिम ने अवसर का फायदा उठाया और अंग्रेजों की वित्तीय कठिनाइयों में सहायता देने के वादे के साथ बंगाल के नवाब की गद्दी प्राप्त कर ली।

मीर कासिम योग्य शासक था वह अंग्रेजों का कठपुतली शासक बनने को तैयार नहीं हुआ और आंतरिक व्यापार पर लगे करो को लेकर उसका अंग्रेजों से झगड़ा हो गया।

बक्सर के युद्ध के कारण-

- दस्तक का प्रश्न बक्सर के युद्ध का एक महत्वपूर्ण कारण था इस पत्र के माध्यम से कंपनी के अधिकारियों को करों में छूट मिलती थी पर वे इसका दुरुपयोग करते थे। जिसके कारण नवाब के राजकोष में धन की कमी होने लगी नवाब ने एक कठोर कदम उठाया और सभी आंतरिक करो को समाप्त कर दिया। अब भारतीय और अंग्रेजी व्यापारी करो के मामले में समान हो गए जिससे कंपनी और मीर कासिम के संबंध बहुत खराब हो गए।
- अंग्रेजों ने मीर कासिम को नवाब के पद से हटा दिया। तब नवाब अंग्रेजों का कट्टर शत्रु हो गया और उसने युद्ध करने का निश्चय किया। अंग्रेज सेनापति मेजर ऐडम्स ने कई स्थानों पर मीर कासिम को परास्त किया तब अपनी जान की रक्षा के लिए वह पटना भाग गया। और उसने वहां बहुत से अंग्रेज समर्थक व्यक्तियों की हत्या कर दी। जिससे अंग्रेज उत्तेजित हो गए अब तो युद्ध अवश्यंभावी था।

- पटना से भागकर मीर कासिम अवध के नवाब शुजाउद्दोला की शरण में पहुंचा। शुजाउददौला भी बंगाल में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता था अतः वह मीर कासिम की सहायता के लिए तैयार हो गया।
- मुगल सम्राट शाह आलम भी भाग कर अवध आया हुआ था वह भी अंग्रेजों से नाराज था अतः शाह आलम भी मीर कासिम के साथ गठबंधन में शामिल हो गया।

बक्सर के युद्ध का प्रारंभ और घटनाएं-

22 अक्टूबर 1764 को गंगा नदी के तट पर स्थित बक्सर नामक स्थान पर हेक्टर मुनरो के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना और दूसरी तरफ मुगल सम्राट शाह आलम मीर कासिम और अवध के नवाब शुजा उड दौला की संयुक्त सेना आमने सामने थी। दोनों ओर से काफी सैनिक मारे गए। अंत में इस युद्ध में अंग्रेज विजयी हुए। मुगल सम्राट ने अंग्रेजों से समझौता कर लिया तथा मीर कासिम युद्ध क्षेत्र से भाग गया। शुजाउददौला ने कुछ समय तक युद्ध जारी रखा पर अंत में उसने भी आत्मसमर्पण कर दिया। इस तरह बक्सर के युद्ध का अंत हुआ।

बक्सर के युद्ध का महत्व-

- बक्सर के युद्ध में प्लासी के निर्णयों पर मोहर लगा दी। अब अंग्रेजों का बंगाल पर वास्तविक अधिकार हो गया।
- उत्तर भारत में अब अंग्रेजों को चुनौती देने वाला कोई नहीं था। अवध का नवाब उनका आभारी था। मुगल सम्राट उनका पेंशनर था।
- अब अंग्रेज समस्त भारत पर अपना दावा करने लगे थे। मराठों और मैसूर ने उन्हें कुछ चुनौती देने का प्रयास किया पर वे असफल रहे।
- बक्सर का युद्ध निर्णायक सिद्ध हुआ। इसके बाद अंग्रेजों ने पूरे भारत में अपना विस्तार किया।

Sources-

1.यशपाल और बी. एल. ग्रोवर : आधुनिक भारत का इतिहास।

2. G.B. Malleson : The Decisive Battles of India.

3. S.R. Sharma : Making of Modern India.